राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 77

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 26 अगस्त 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

आज (रविवार को) मेरी मां का जन्मदिन है। जन्मदिन मुबारक हो मां। मैं यह जीत उन्हें समर्पित करती हूं। यह जीत बहुत मायने रखती है। मुझे भारतीय होने पर गर्व है। दर्शकों, कोच गोपीचंद और किम का भी आभार।

– पीवी सिंधू

विश्व चैंपियनशिप में भारत

4 खिलाड़ी ही सिंधू के अलावा यहां स्वर्ण, रजत, कांस्य जीत सके हैं। ये खिलाड़ी हैं-ली लिंगवेई, गोंग रूइना और झांग निंग

5 पदक सिंधू यहां जीतने वाली एकमात्र भारतीय। साइना नेहवाल ने दो पदक (रजत, कांस्य) जीते हैं। इसमें सिंधू से ज्यादा पदक किसी अन्य ने नहीं जीते

10 पदक भारत ने अब तक जीते हैं। इनमें एक स्वर्ण, तीन रजत, छह कांस्य हैं

2013 में सिंधू पहली बार विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलीं और अब तक 21 मैच जीत चुकी हैं

सुपर सिंधू अब विश्व चैंपियन

- ओकुहारा को हराकर देश की पहली विश्व चैंपियन शटलर बनीं पीवी
- लगातार दो फाइनल में सिंधू को इस चैंपियनशिप में मिली थी शिकस्त

बासेल (स्विट्जरलैंड), प्रेट्र: लगातार दो विश्व चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में हारने की टीस और इस चैंपियनशिप में चार पदक होने के बाद भी स्वर्ण पदक नहीं होने का मलाल यह सभी चीजें भारतीय सुपरस्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को परेशान करती थीं। लेकिन इस ओलंपिक रजत पदक विजेता खिलाड़ी ने रविवार को सिंगल्स के फाइनल में नोजोमी ओकुहारा को एकतरफा अंदाज में शिकस्त देकर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया।

सिंधू ने इस स्वर्ण के साथ इतिहास भी रच दिया। वह इस चैंपियनशिप में पहली बार स्वर्ण जीतने में सफल हुईं और इसके साथ ही वह यह स्वर्ण जीतने वाली भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं। 24 वर्षीय सिंधू ने यह खिताबी मुकाबला सीधे गेमों में 21-7, 21-7 से 38 मिनट में ही अपने नाम कर लिया। एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता सिंधू के सामने ओकुहारा थीं, जिन्होंने 2017 में सिंधू का विश्व चैंपियन बनने का सपना तोड़ दिया था। इसके बाद सिंधू ने अपने खेल में काफी सुधार किया और 2019 के खिताबी मुकाबले को 38 मिनट में ही अपने नाम कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 16 मिनट तो दूसरा गेम 22 मिनट में अपने नाम किया। ओकुहारा ने मैच में एक बार सिंधू को लंबी रैली में फंसाने की कोशिश की, लेकिन सिंधू ने 28 शॉट की इस रैली के गेम को भी जीता।

(पूरी कवरेज पेज-14 पर)

करिश्माई प्रतिभा की धनी पीवी सिंधू ने भारत को एक बार फिर गौरवान्वित किया। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने पर उन्हें बधाई। उनकी सफलता खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कोमलिका के तीरों ने किया कमाल

नई दिल्ली : भारतीय तीरंदाज कोमलिका बारी ने स्पेन के मैड्रिड में विश्व युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता। कोमलिका ने फाइनल में जापान की वाका सोनोडा को 7-3 से शिकस्त देकर महिला कैडेट रिकर्व श्रेणी में स्वर्ण जीता। कोमलिका को नई दीपिका कुमारी माना जा रहा है। (पेज-15)

स्टोक्स, किस्मत और इंग्लैंड...

लीड्स : 14 जुलाई को विश्व कप फाइनल का रिप्ले रविवार को लीड्स में दोहराया गया। यहां एक बार फिर बेन स्टोक्स थे, किस्मत थी और वही इंग्लैंड की टीम और हां वही अंपायर की गलती भी थी। कुछ अलग था तो विरोधी टीम ऑस्ट्रेलिया और मैदान लीड्स। जो इंग्लैंड की टीम एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन खत्म होने तक हार के मुहाने पर खड़ी थी, उसकी नैया एक बार फिर स्टोक्स ने पार लगा दी। उनकी यादगार पारी (135 नाबाद) ने इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया पर एक विकेट की सनसनीखेज जीत दिला दी। (पेज-14)

सरोकार

नई तकनीक से फेफड़े के कैंसर का कारगर इलाज

चंडीगढ़ : फेफड़े के कैंसर से जूझ रहे मरीजों की जिंदगी बचाने को पीजीआइ (चंडीगढ़) के डॉक्टरों ने एक नई तकनीक ईजाद की है। इसके लिए उन्होंने विश्व के पांच देशों के चुनिंदा डॉक्टरों के साथ मिलकर लगातार तीन साल तक मरीजों पर रिसर्च किया। इस दौरान उन मरीजों को कीमो और रेडिएशन का डोज एक साथ देकर कैंसर प्रभावित टिश्यू को निष्क्रिय करने में काफी हद तक सफलता मिली। (पेज-11)

जागरण विशेष

चुनौतियों का पुल बनाकर बुलंद हुए इकबाल

श्रीनगर : श्रीनगर के जिला उपायुक्त के डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद से हर समय सक्रिय हैं। मुश्किल वक्त में कभी प्रबंधों का जायजा लेते दिखते हैं तो कभी लोगों की समस्याएं सुनते। (पेज-11)

प्लास्टिक और कुपोषण से लड़ेगा देश

अभियान ▸ 'मन की बात' में पीएम ने लोगों से की सक्रिय भागीदारी की अपील

अगले माह से शुरू होगी कुपोषण के खिलाफ लड़ाई, दो अक्टूबर से प्लास्टिक के खिलाफ अभियान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सेहत और संतुलित समाज के लिए आने वाले दिनों में दो बड़े अभियान शुरू होने जा रहे हैं। सितंबर के महीने से जहां कुपोषण के खिलाफ अभियान का आगाज होगा, वहीं गांधी जयंती के अवसर पर दो अक्टूबर से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे प्लास्टिक पर चोट होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों से इन दोनों अभियानों में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

प्रधानमंत्री ने प्लास्टिक के खिलाफ जंग में कॉरपोरेट सेक्टर से सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के निस्तारण में मदद मांगी है। देश में मौजूदा समय में प्रतिदिन करीब 26 हजार टन प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है जो पर्यावरण और जनजीवन के लिए बहुत नुकसानदायक है। खासकर इन्हें खाने से जानवरों की मौत हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी और कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में सभी देशवासियों से हिस्सा लेने की अपील की है। यह अभियान सितंबर माह में पूरे देश में चलाया जाएगा। संतुलित व पोषक तत्वों से भरपूर भोजन की जरूरत बताते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय संस्कृति में बताई गई अन्न की महिमा का उल्लेख भी किया।

मन की बात करते पीएम मोदी। फाइल

उन्होंने कहा कि महिला और नवजात शिशु समाज की नींव हैं, जिन्हें पोषक तत्वों की कमी के चलते कमजोर होने से बचाने की जरूरत है। नासिक के 'मुट्ठी भर धान्य' आंदोलन, जिसमें आंगनवाड़ी सेविकाएं फसल कटाई के समय लोगों से एक मुट्ठी अनाज इकट्ठा करती हैं, का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें अनाज दान करने वाला व्यक्ति एक प्रकार से जागरूक नागरिक और समाज सेवक बन जाता है। भारतीय समाज में प्रचलित अन्नप्राशन संस्कार का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह संस्कार पूरे हिंदुस्तान में है। शिशुओं को जब पहली बार अन्न यानी ठोस आहार खिलाया जाता है। अपने मुख्यमंत्रित्व काल का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि गुजरात में 2010 में अन्नप्राशन संस्कार के अवसर पर बच्चों को पूरक पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देने पर विचार किया गया। कई अन्य राज्यों में तिथि भोज अभियान चलाया जाता है। इसी की देखादेखी कई परिवार अपनी खुशी बांटने के लिए स्कूलों और आंगनवाड़ी जैसी संस्थाओं में पोषक तत्वों वाला भोजन वितरित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए राशन प्रणाली के तहत वितरित किए जाने वाले चावल के फोर्टिफिकेशन की योजना सितंबर से पूरे देश में लागू होगी। इसकी प्रायोगिक परियोजना जहां पहले कुछ सीमित जिलों में ही चलाई जानी थी, उसका अब विस्तार कर दिया गया है। पिछले दिनों राज्यों के खाद्य मंत्रियों के सम्मेलन में इस योजना को मंजूरी मिल गई है। इसके लिए केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिलनी बाकी है। इसके तहत चावल पर सूक्ष्म आवश्यक पोषक तत्वों की परत चढ़ा दी जाएगी। यह काम धान से चावल तैयार करते समय ही कर लिया जाएगा। राशन फोर्टिफिकेशन प्रोग्राम को स्कूलों में चलाए जा रहे मिड डे मील में लागू किए जाने की योजना है। चावल में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 मिलाया जाएगा।

> पोषक तत्वों के बारे में जानकारी न होने की वजह से गरीब ही नहीं संपन्न परिवार भी कुपोषण से प्रभावित हो रहे हैं। अगर प्रत्येक जागरूक नागरिक किसी एक परिवार को कुपोषण से बाहर निकालने में मदद करे तो देश इस गंभीर समस्या से बाहर हो सकता है।
>
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने बताया, ग्रिल्स ने कैसे समझी थी हिंदी

पीएम मोदी ने मन की बात में डिस्कवरी चैनेल पर हाल ही में दिखाए गए मैन वर्सेज वाइल्ड एपिसोड की भी चर्चा की। साथ ही बताया कि इस शो के प्रसारण के बाद कुछ लोग संकोच के साथ यह बात पूछ रहे थे कि मोदी जी आप हिंदी में बोल रहे थे और बेयर ग्रिल्स हिंदी जानते नहीं है। तो फिर इतना तेजी से कैसे संवाद होता था। क्या इसके लिए बार-बार शूटिंग की गई, लेकिन मैं इस रहस्य को खोल ही देता हूं। हकीकत यह है कि बेयर बेयर के साथ बातचीत में तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया गया। जब मैं कुछ भी बोलता था, तो वह तुरंत अंग्रेजी में अनुवाद होता था।

मोदी ने किया दो मोहन का जिक्र पेज>>5

नई दिल्ली में स्थित भाजपा मुख्यालय में अंतिम विदाई देते समय बेहद गमगीन पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली की पत्नी संगीता जेटली और पुत्री सोनाली। प्रेट्र

जेटली पंचतत्व में विलीन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ राजकीय सम्मान के साथ देश ने दी पूर्व वित्त मंत्री को अंतिम विदाई

भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पंचतत्व में विलीन हो गए। राजकीय सम्मान पूर्वक निगम बोध घाट पर उनकी अंत्येष्टि की गई। मुखाग्नि पुत्र रोहन जेटली ने दी। अंतिम विदाई देने के लिए सभी दलों और वर्गों के लोग पहुंचे। बारिश के बावजूद आखिर तक लोग जमे रहे।

लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे अरुण जेटली ने शनिवार दोपहर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली थी। रविवार सुबह उनके पार्थिव शरीर को कैलाश कॉलोनी स्थित आवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। साढ़े नौ बजे जब पार्थिव शरीर को भाजपा मुख्यालय ले जाने के लिए घर से निकाला गया तो लोग पैदल ही पीछे चलने लगे। 10.50 पर पार्थिव शरीर दीनदयाल उपाध्याय रोड स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचा, जहां हर खास व आम ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पंजाब, उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से लोग पहुंचे थे।

सेना के गन कैरेज वाहन पर रखा गया पार्थिव शरीर : 1.30 बजे जेटली के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर सेना के गन कैरेज वाहन पर रख कर अंतिम यात्रा 5.8 किमी दूर निगम बोध घाट के लिए निकली। साथ में उनकी पत्नी संगीता, पुत्र रोहन, बेटी सोनाली समेत परिवार के अन्य सदस्य भी थे। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता काफिले के साथ चल रहे थे। रास्ते भर 'जब तक सूरज चांद रहेगा-जेटली तेरा नाम रहेगा' और 'अरुण जेटली अमर रहे' जैसे नारे गूंजते रहे। बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुत्र रोहन ने 3.17 बजे मुखाग्नि दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महत्वपूर्ण विदेशी यात्रा पर होने के कारण अंतिम विदाई में शामिल नहीं हो सके। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, भाजपा अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह, कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, प्रकाश जावडेकर, रमेश पोखरियाल निशंक, डॉ. हर्षवर्धन, रामविलास पासवान व अनुराग ठाकुर ने श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तराखंड और झारखंड के मुख्यमंत्रियों के साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत अन्य उपस्थित रहे। कैथोलिक चर्च के आर्च बिशप ने भी भाजपा मुख्यालय पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

रोते हुए घर में दाखिल हुईं किरण : जेटली के अंतिम दर्शन के लिए उनके घर पर रिश्तेदार, कार्यकर्ता और कई पार्टियों के नेता मौजूद रहे। सुबह करीब सात बजे से ही घर के सामने भीड़ जुटने लगी थी। सांसद किरण खेर रोते हुए घर में दाखिल हुईं। वहां पहुंचे ब्रिटिश उच्चायुक्त सर डोमिनिक ने कहा कि जेटली अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे।

(संबंधित खबरें पेज-5 पर)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

कैग ने किया 32 डिफेंस ऑफसेट कांट्रैक्ट का ऑडिट

नई दिल्ली : राफेल डील पर भाजपा और कांग्रेस की तकरार लोकसभा चुनाव के बाद भले ही कुछ समय के लिए शांत पड़ गई हो, लेकिन आने वाले दिनों में एक बार फिर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच रक्षा सौदों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो सकता है। दरअसल कैग ने संप्रग और राजग सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए 32 डिफेंस ऑफसेट कांट्रैक्ट का ऑडिट किया है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

भारत के गगनयान अभियान में मदद को रूस ने बढ़ाया हाथ

चेन्नई : भारत के महत्वाकांक्षी अभियान गगनयान में मदद के लिए रूस ने अपना हाथ बढ़ाया है और इसके लिए उसने भारत को क्रायोजनिक इंजन देने का प्रस्ताव किया है। रूस की सरकारी एजेंसी स्पेस कारपोरेशन 'रोस्कोसमोस' की ओर से कहा गया है कि भारत रूस से जल्द अपने गगनयान अभियान को लेकर बात करने वाला है। भारत रूस से गगनयान के लिए कई जरूरी उपकरण खरीदना चाहता है।

बहरीन ने दिखाई सद्भावना, 250 भारतीय कैदियों की सजा माफ करने का किया एलान

मनामा, प्रेट्र : बहरीन सरकार ने मानवता प्रदर्शित करते हुए अपने यहां सजा भुगत रहे 250 भारतीय कैदियों को माफी दे दी है। तीन देशों के दौरे पर निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस खाड़ी देश की यात्रा के दौरान क्षमादान के फैसले की घोषणा की गई। प्रधानमंत्री ने इस शाही माफी के लिए बहरीन के नेतृत्व के प्रति आभार जताया है और कहा है कि इससे दोनों देशों के बीच विश्वास और बढ़ेगा।

बहरीन द्वारा दी गई माफी का फैसला जहां 250 भारतीयों के परिवारों को राहत देने वाला है, वहीं यह कदम दोनों देशों के बीच विकसित हुए करीबी रिश्ते को भी दर्शाता है। पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में मनामा दौरे पर आए मोदी को बहरीन ने अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है और आतंकवाद के मुद्दे पर उसने भारत का खुलकर साथ भी दिया है। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए बहरीन के साथ बेहतर रिश्ते का उल्लेख भी किया था।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक, विदेश की विभिन्न जेलों में 8,189 भारतीय बंद हैं। सबसे ज्यादा 1,811 भारतीय सऊदी अरब की जेलों में और उसके बाद 1,392 भारतीय यूएई की जेलों में बंद हैं। खनिज तेल से समृद्ध खाड़ी देश बहरीन की जेलों में कितने भारतीय बंद हैं यह स्पष्ट नहीं है। भारतीय कैदियों की सजा माफ किए जाने का शाही आदेश आने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, 'दया व मानवता का प्रदर्शन करते हुए बहरीन सरकार ने वहां की जेलों में सजा काट रहे 250 भारतीयों को क्षमादान दे दिया है। इस शाही माफी के लिए प्रधानमंत्री ने बहरीन सरकार, शाह हमद बिन इसा अल खलीफा के साथ ही पूरे शाही परिवार को धन्यवाद दिया है।'

प्रधानमंत्री ने 200 साल पुराने श्रीनाथजी मंदिर में की पूजा-अर्चना : प्रधानमंत्री मोदी ने मनामा में 200 साल पुराने भगवान कृष्ण के मंदिर के लिए 42 लाख डॉलर (करीब 30 करोड़ रुपये) की पुनर्विकास परियोजना लांच की है। उन्होंने कहा कि यह भारत और बहरीन के बीच मजबूत संबंध का परिचायक है। प्रधानमंत्री ने श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और शनिवार को लांच किए गए रुपे कार्ड से प्रसाद खरीदा।

आतंकवाद के खिलाफ भारत-बहरीन एकजुट

मनामा : मोदी की यात्रा के दौरान पाक पर परोक्ष रूप से प्रहार करते हुए यहां भारत और बहरीन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दूसरे देशों के खिलाफ आतंकवाद के इस्तेमाल को खारिज करने की अपील की है। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान दोनों देश के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। (पेज-3)

मोदी को मिले सम्मान से तिलमिलाया पाक

इस्लामाबाद, : यूएई द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जायेद' से नवाजे जाने से पाकिस्तान तिलमिला गया है। यही वजह है कि पाकिस्तानी सीनेट के चेयरमैन सादिक सांजरानी ने रविवार को खाड़ी देश की अपनी सरकारी यात्रा रद करने की घोषणा की। (पेज-3)

नए लड़ाकू विमानों के लिए सभी संभावनाएं तलाश रही वायुसेना

नई दिल्ली : अपनी ताकत में और इजाफा करने के अभियान में जुटी वायुसेना नए लड़ाकू विमानों के लिए सभी संभावनाएं तलाश रही है। इसी कड़ी में 114 लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया शुरू हुई है और वायुसेना को उम्मीद है कि नए लड़ाकू विमान उसे जल्द मिल जाएंगे। राफेल फाइटर जेट की तरह इस सौदे में देरी नहीं होगी, जिसमें दस साल से ज्यादा का वक्त लग गया है। 114 लड़ाकू विमानों के लगभग एक लाख पांच हजार करोड़ रुपये के सौदे को हासिल करने की दौड़ में बोइंग, लॉकहीड मार्टिन, यूरोफाइटर, रसियन यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन और साब जैसी कंपनियां जुटी हैं। (पेज-3)

पाकिस्तान में मुहाजिर और अन्य छोटे तबकों पर भीषण अत्याचार

लंदन : पाकिस्तान सरकार जम्मू-कश्मीर में जिस तरह के मानव उत्पीड़न का दावा कर रही है उससे कहीं ज्यादा अत्याचार कराची और सिंध प्रांत के कई शहरों में वह खुद कर रही है। यह बात मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) की सेंट्रल कोऑर्डिनेशन कमेटी ने कही है। एक समय कराची में बड़े राजनीतिक प्रभाव वाले एमक्यूएम पर पाकिस्तान सरकार का ऐसा नजला गिरा कि संगठन के बड़े नेता भी देश छोड़कर ब्रिटेन और अन्य देशों में रह रहे हैं। (पेज-13)

67 साल

पांच अगस्त को अनुच्छेद-370 हटने से खत्म हुई राज्य के झंडे की अहमियत, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए तत्काल नहीं उतारा गया था झंडा, लेकिन अब नजारा बदला...

दो तस्वीरें जो बताती हैं जम्मू-कश्मीर में क्या बदल गया

नवीन नवाज, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में एक निशान का सपना पूरा हो गया है। श्रीनगर स्थित राज्य सचिवालय में राष्ट्र ध्वज के साथ लहराने वाला जम्मू-कश्मीर का ध्वज 67 साल बाद रविवार को उतार दिया गया। सचिवालय समेत राज्य में सभी संवैधानिक संस्थानों की इमारतों पर केवल तिरंगा लहरा रहा है। पांच अगस्त को अनुच्छेद-370 हटने के बाद राज्य के ध्वज की अहमियत समाप्त हो गई थी।

अनुच्छेद-370 के प्रावधानों के तहत जम्मू-कश्मीर का अलग निशान (ध्वज) और अलग विधान था। राज्य के लाल रंग के झंडे पर हल का निशान और तीन पट्टियां थीं। यह तीन सफेद पट्टियां राज्य के तीन प्रांतों जम्मू, कश्मीर और लद्दाख का प्रतिनिधित्व करती थीं।

अधिकारियों ने बताया कि पहले यह विचार था कि जम्मू-कश्मीर के ध्वज को 31 अक्टूबर 2019 को ही उतारा जाए, क्योंकि उसी दिन से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो अलग-अलग केंद्र शासित राज्यों के तौर पर अस्तित्व में आते। बाद में विचार आया कि अब इस ध्वज की संवैधानिक या कानूनी तौर पर किसी तरह की अहमियत नहीं रह गई है। इसलिए किसी भी दिन इसे उतारा जा सकता था। ऐसे में इसे रविवार को उतार लिया गया। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि अब हालात सामान्य हैं। लोग बदलाव के पक्ष में नजर आ रहे हैं। इसलिए यह ध्वज उतार लिया गया है।

श्रीनगर में सचिवालय की बिल्डिंग पर फहराते राष्ट्रीय ध्वज और जम्मू-कश्मीर के राज्य के झंडे की यह तस्वीर कुछ दिन पहले की है, (बाएं) लेकिन राज्य से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद अब स्थिति एकदम बदल गई है। एक देश एक ध्वज के प्रतीक के रूप में 25 अगस्त को सचिवालय की बिल्डिंग पर शान से तिरंगा फहराता नजर आया। जिस पोल पर कश्मीर का ध्वज फहराया जाता था, उसे भी गिरा दिया गया। जागरण

समझौते के बाद मिला था झंडा

पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और तत्कालीन जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के बीच 1952 में केंद्र और राज्य की शक्तियों को लेकर समझौता हुआ था। इस समझौते में दोनों ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज और जम्मू-कश्मीर के झंडे को राज्य का झंडा माना था। अनुच्छेद-370 की धारा चार में तय हुआ था झंडा : अनुच्छेद-370 की धारा चार में लिखा गया था कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय ध्वज के साथ राज्य सरकार के अपने झंडे को लेकर सहमति जताती है, लेकिन राज्य सरकार इस पर सहमत है कि राज्य का झंडा केंद्रीय झंडे का प्रतिरोधी नहीं होगा। यह भी मान्यता दी जाती है कि केंद्रीय झंडे की जम्मू-कश्मीर में वही दर्जा और स्थिति होगी जो शेष भारत में है, लेकिन राज्य में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक कारणों के लिए राज्य के झंडे को जारी रखने की जरूरत है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के संविधान में भी इस झंडे को अपनाया गया। जम्मू-कश्मीर संविधान का अनुच्छेद-144 भी इसे मान्यता प्रदान करता है।

वीआइपी के लिए विमान में खाली कराई गई आगे की सीट

संतोष शर्मा, नई दिल्ली

▸ एयरलाइंस व विमानन मंत्रालय से की शिकायत, स्पाइस जेट के विमान से जालंधर लौट रहा था परिवार

स्पाइस जेट की उड़ान में दिल्ली से आदमपुर जाने वाले तीन यात्रियों को उनकी सीट से उठाकर पीछे की सीट पर भेज दिया गया। इनमें एक महिला भी शामिल है। पीड़ित के मुताबिक सीट पर वीआइपी को बैठाने के लिए उन्हें पीछे की सीट पर भेजा गया था। यात्रियों ने विमानन मंत्रालय से लिखित शिकायत की है।

पंजाब के जालंधर निवासी अभिषेक चौधरी शेयर मार्केट में काम करते हैं। उनकी बहन को कनाडा जाना था। उन्हें छोड़ने के लिए वह अपनी मां रेणुका चौधरी, पिता यशपाल चौधरी के साथ आइजीआइ एयरपोर्ट गए थे। जालंधर जाने के लिए उन्होंने स्पाइस जेट की उड़ान संख्या एसजी-8731 से आदमपुर का पांच दिन पहले टिकट बुक कराया था। शनिवार को वह माता-पिता के साथ विमान में अपनी सीट पर बैठ गए। अभिषेक का कहना है कि उनकी मां का वजन थोड़ा ज्यादा है। वह पहली बार हवाई यात्रा कर रही थीं। उन्हें विमान में परेशानी न हो इसलिए उन्होंने आगे की सीट बुक कराई थी। इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त रुपये भी खर्च किए थे, लेकिन कुछ समय बाद ही क्रू मेंबर ने उन्हें जबरन उठाकर सबसे पीछे बैठा दिया। उनकी सीट पर किसी वीआइपी को बैठा दिया गया। इसके कारण उनके माता-पिता और उन्हें काफी परेशानी हुई।

स्पाइस जेट के प्रवक्ता का कहना है कि विमान का संतुलन बनाए रखने के लिए कई बार कुछ सीट खाली रखनी पड़ती हैं। इस कारण तीनों यात्रियों से पीछे जाने का आग्रह किया गया था। इसके बाद वे स्वेच्छा से पीछे की सीट पर चले गए थे। उनका दावा है कि पूरी यात्रा के दौरान उन यात्रियों की सीट खाली रखी गई थी। जहां तक सीट बुक कराने के रुपये की बात तो वह यात्रियों को वापस लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।